[श्री प्रेम मनोहर]

थी उस समय भी कह रहे थे कि बरौनी रिफाईनरी का प्रोडक्शन कभी 15 परसेंट से ज्यादा नहीं गया। इसलिए मैं तो कहता हूं कि आप अपने सारे एसेसमेंट बरौनी को न लेते हुए निकाल लीजिए, फिर एसेसमेंट कीजिए कि देश को कितनी आवश्यकता है और किस किस चीज की आवश्यकता है और उसकी पूर्ति हम कैसे कर सकते हैं: मैं मंत्री जी से इन बातों का स्पष्ट उत्तर चाहूंगा।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : मान्यवर, मैं एक तो राष्ट्र को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि पेट्रोलियम और पेट्रोलियम प्रोडक्टस को पूरा करने के लिये हम तो सम्पूर्ण चेष्टा करेंगे बाहर से भी मंगाने की। लेकिन मैंने अभी कहा कि हाल में बम्बई पोर्ट ट्रस्ट और कुछ पोर्ट ट्रस्ट वर्कर्ज की हड़ताल चल रही है। इस हड़ताल को छः-सात दिन हो गये हैं। अभी तो खुशकिस्मती है कि तेल के दो टैंकर निकल गये। लेकिन यदि वह स्ट्राइक इसी तरह चली...

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा (बिहार) : हड़ताल का रास्ता निकालिये।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : आपकी मदद से सब हो सकता है। आप अगर ठीक तथा पुराने ढंग से काम करें, तो बात बन सकती है।... (*Interruptions.*)
I am sorry, apologize.

गोदी कर्मचारियों की हड़ताल के बाबत मुझे एक ही बात कहनी है कि बाहर से आने वाला माल बहुत संकट में पड़ सकता है अगर यह हड़ताल जारी रही और इससे खेती का सारा काम भी गड़बड़ में पड़ेगा। मेरी आशा है कि गोदी कर्मचारी भी इस बात को समझेंगे और जो हमारी मदद कर रहे हैं उनके प्रति तो मैं कृतज्ञता प्रकट करता हूं। जो कर्मचारी हड़ताल पर हैं वे इस स्थिति को देखें। एडिबल आयल्स और सब चीजों पर अफैक्ट पड़ने वाला है।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : आप चाहते थे और आपने केबिनेट में पास कर दिया कि पहले हमारे सामने झुक जाओ फिर हम बातचीत करेंगे।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : माननीय शर्मा जी अच्छी तरह जानते हैं कि यदि इस तरह का प्रस्ताव किया होता तो बरौनी के साथ क्यों बात करते और परसों फिर बात क्यों कर रहे हैं।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : डाक वर्कर्ज की बात कर रहे हैं।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : मेरी इस तरह की कोई जानकारी नहीं है। स्टोरेज कैपेसिटी का मैंने अभी जिक्र किया, नार्थ-वेस्ट में बीस हजार बढ़ाई है और अब जो पाइप लाइन मथुरा रिफाइनरी से चलने वाली है वह पाइप लाइन नार्थ-वैस्ट में जायगी, अम्बाला और आगे जालन्धर तक बढ़ेगी। ये सारे स्टैप लिये जा रहे हैं और फिर बाहर से सामान मंगवाने के लिये भी हम पूरी चेष्टा कर रहे हैं। किसी देश का नाम लेना वाजिब नहीं है और इस विषय में ज्यादा बोलना भी जरूरी नहीं है क्योंकि हमारी हर स्पीच से एक-दो सेंट तेल का भाव आगे बढ़ने वाला है।

REFERENCE TO ALLEGED PAYMENT OF RS. 113 CRORES BY INDUSTRIALISTS TO SHRIMATI INDIRA GANDHI FOR ELECTION PURPOSES.

डा० भाई महावीर (मध्य प्रदेश) : सभापति जी, मैं आपकी अनुमति से कल के 'इंडियन एक्सप्रेस' में जो एक समाचार छपा है उसकी ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। महोदय, समाचार का शीर्षक है :
"Industrialists gave Rs. 113 crores to Mrs. Gandhi."

इसमें दो-तीन मुद्दे उठाये गये हैं और वे इतने महत्वपूर्ण हैं कि इनके सम्बन्ध में सरकारी तौर पर अधिकृत स्पष्टीकरण आये बगैर कई तरह के भ्रम फैलने की गुंजाइश है । सबसे पहले तो जैसा इसमें शीर्षक ही है कि एक बड़ी भारी रकम श्रीमती गान्धी को पिछले आम चुनाव लड़ने के लिये कुछ उद्योगपतियों की तरफ से दी गई ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा (बिहार) : अब कितना दे रहे हैं आपको ?

डा० भाई महावीर : मैं आपके हित में भी कह रहा हूं, शर्मा जी । मैं यह नहीं कह रहा हूं कि 113 करोड़ में आपको भी हिस्सा मिला है, शायद आपको न मिला हो, हो सकता है कि यह जानकारी गलत हो, हो सकता है कि आपको केवल 13 करोड़ ही मिला हो, यह भी हो सकता है कि आपको तीन करोड़ ही मिला हो और यह भी हो सकता है कि 113 करोड़ की जगह 213 करोड़ मिला हो । परन्तु महोदय, इस देश की राजनीति में बड़े उद्योगों और पैसे का प्रभाव चुनाव के समय कितना भयंकर रूप ले लेता है और उससे देश के जनमत की कितनी विकृति हो जाती है इस सम्बन्ध में बहुत बार चर्चा हो चुकी है और दोनों सदनों में इसकी ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जा चुका है । इसलिये जब इस तरह की बात कही जाती है और विशेषकर के एक बड़े दल के नेता के बारे में जो कि दावा करती है कि वे तो केवल गरीबों के लिये सब कुछ कर रही है तो समस्या इतनी आसान नहीं रहती । इसके बारे में सरकार को स्पष्ट रूप से सदन में आकर के बयान देना चाहिये । इसमें इतनी जानकारी दी गई है कि टेलिजेंस ब्यूरो ने सूची भी दी है कि किन-किन उद्योगों ने यह रुपया दिया । इतना ही नहीं, श्री शान्ति भूषण जी ने पिछले साल यह आश्वासन दिया था कि उनके पास इस तरह की जानकारी है कि इतनी भारी रकम जो दी गई है उसके सम्बन्ध में वे जांच करेंगे और जांच करने के बाद कम्पनीज ला के 'वायलेशन' उल्लंघन के मामलों को उठा कर के और जिन्होंने गलत तरीके से कानून का उल्लंघन करके रुपया दिया है, उनके खिलाफ कार्यवाही भी

[The Vice-Chairman (Shri Arvind Ganesh Kulkarni)]

करेंगे । मैं जानना चाहूंगा कि अब तक सरकार ने इस संबंध में कोई कार्यवाही की है या करने का फैसला किया है अथवा नहीं और अगर नहीं किया है तो उस का कारण क्या है ।

इसी तरह से प्रधान मंत्री जी पीछे यह भी कह चुके हैं कि सरकार इस प्रस्ताव पर विचार कर रही है कि उम्मीदवारों को चुनाव संबंधी खर्चे सरकार दे जिस से कि ज्यादा पैसे वाले आदमी को जो यह मौका लिता है कि लोगों की राय उस के खिलाफ होते हुय भी वह अपने हथकंडों से चुनाव जीत जाता है इस बात को दूर करके हर व्यक्ति को सेवा और चरित्र के बल पर चुनाव जीतने का अवसर मिल सके । ऐसी पद्धति दूसरे देशों में है कि सरकार चुनाव का खर्च अपने ऊपर लेती हैं । 20 करोड़ की राशि इस के लिये चाहिए और यह कोई अधिक नहीं है । इस प्रस्ताव के बारे में सरकार को बताना चाहिए और अधिक समय बीतने के पहले बताना चाहिए कि सरकार का इस संबंध में क्या निर्णय है । इतना ही नहीं, यहां पहले भी चर्चा हो चुकी है जिसके बारे में उपसभापति जी आपको अच्छी तरह विदित है कि विदेशी रुपया जो आता है, वह किन किन विदेशों से आकर किस किस तरह का उल्टा खेल इस देश में खेलता है । उस को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है ऐसी सब चीजों के निवारण के लिये अत्यन्त साफ तरीके से सारी जानकारी सदन के सामने और देश के सामने रखी जाय ।

महोदय, इस में एक जिक्र और भी किया गया है । पिछले चुनावों में कांग्रेस के उम्मीदवारों को इस रुपये में से या किसी अन्य राशि में से हर एक उम्मीदवार को एक एक लाख

[डा० भाई महावीर]

रुपया और एक एक जीप दी गयी। कइयों को दो-दो जीपें दी गयीं, कइयों को दो लाख रुपया और उससे ज्यादा भी दिया गया। महोदय, एक राजनीतिक दल के बारे में इस तरह की चर्चा यदि गलत है तो स्वाभाविक है कि उससे उन को कष्ट होगा, परन्तु यदि यह सही है तो सारे देश को इस बात की चिन्ता होगी कि किस तरह की विकृति इस देश की राजनीति में आ रही है। इस लिये मैं कल के इस समाचार के बारे में सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए आग्रह करना चाहता हूं कि इस बारे में जो सही जानकारी हो वह सरकार देश को बतलाये और जहां गड़बड़ हो रही है उस की रोकथाम के लिये उचित कदम उठाये।

REFERENCE TO NON-CLEARANCE BY GOVERNMENT OF THE INDIAN TEAM FOR PARTICIPATION IN THE ASIAN GAMES TO BE HELD IN BANGKOK.

SHRI JAGJIT SINGH ANAND (Punjab): Sir, I am thankful to you for permitting me to mention the important matter of non-clearance of the Indian team being sent to participate in the Asian Games at Bangkok.

Only day before yesterday we had an occasion to discuss the sorrowful state of affairs regarding the policy of t)iis Government on holding the Asian Games here. The Education Minister said that the first estimate was Rs. 80 crores; then it was Rs. 52 or 56 crores; and now it is only 26 crores. But he was trying to hide the fact that this Government is resiling from holding the Asian Games in 1982 here. On the top of it is the treatment being given to the team that is going to Bangkok for the Asian Games this year. I am saying all this because the situation in the field of sports in this country is in a sorrowful mess. We used to be in the lead in hockey. That position is also gone. We are not coming up in any other sport or athletics. Now, it has been brought to my notice that the Indian Olympic Association had selected the Indian team for participation in the Asian Games and the names of the selected players and officials were communicated to the Education Ministry for financial assistance. The air passage comes to about Rs. 2,200 if it is a group passage and Rs. 3,300 if it is an individual passage. That has to be borne by the Ministry. But Rs. 3,500 have to be borne by the Association for the stay of the players. That also is not being cleared by them. Till now the sanction has not been issued for payment of foreign exchange for their stay at Bangkok. The portion regarding their stay at Bangkok is not to be met by the Government at all.

Sir, the list was submitted, according to my information, on the 11th or 12th of this month and the Games have to start in the second week of December. The All India Council of Sports, which is an advisory body appointed by the Government, screened, out of 200 players, 150 players and they gave them clearance. Now the Government is trying to say that the number should be further reduced. And what was the basis of clearance? The basis of clearance was that only that athlete can participate in the event . . .

THE VICE CHAIRMAN (SHRI ARVIND GANESH KULKARNI): Mr. Anand . . .

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: Just look at the watch. I have hardly taken three minutes. I am finishing in one minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ARVTND GANESH KULKARNI): You finish in one minute. The day before yesterday it was discussed.

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: It is a different matter altogether.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ARVTND GANESH KULKARNI): All right, finish it.

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: The day before yesterday we were discussing sports. They are trying